अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2016) | दिनांक 22.12.2016

द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

तेरापंथ इतिहास और दर्शन – 70

प्र.1 किन्हीं बारह प्रश्नों का उत्तर एक या दो वाक्य में दें। 12

(क) विकास महोत्सव का प्रारम्भ कब व कहाँ से हुआ?

(ख) ''चएज्ज देहं न हु धम्मसासणं'' का अर्थ क्या है?

(ग) निर्जरा कितने गुणस्थान तक होती है?

(घ) आचार्य मघवागणी ने राजस्थानी भाषा में किसकी जीवनी लिखी?

(ङ) जयाचार्य के सम्मुख मुनिपतजी की दीक्षा प्रसंग में किन श्रावकों ने साहस का परिचय दिया?

(च) भावपूजा का अर्थ क्या है?

(छ) तेरापंथ की स्थापना के बाद कितने वर्षों तक साधुओं की संख्या तेरह नहीं हुई?

(ज) अंग्रेज पादरी वाल्टेन व जयाचार्य की वार्ता कब व कहाँ हुई?

(झ) माणकगणी की दीक्षा कब व कहाँ हुई?

(ञ) सामूहिक मनोबल के लिए प्राणशक्ति क्या है?

(ट) लेटिन भाषा में ''शासन'' शब्द का अर्थ क्या है?

(ठ) महावीर की संघ व्यवस्था में गण व गणधर कितने थे?

(ड) मर्यादा के मूल आधार क्या है?

(ढ) सायंकालीन गोचरी का प्रारम्भ कब व कहाँ से हुआ?

(ण) बोली को भाषा का स्थान प्राप्त करने के लिए कौनसे तीन प्रमाण देने पड़ते हैं?

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्य में दें? 10

(क) तेरापंथ धर्मसंघ में साधु के लिए तिहरी मर्यादा कौन–कौनसी है?

(ख) द्विशताब्दी के अवसर पर साधना के कौन–कौन से प्रयोग निश्चित किए गए?

(ग) आचार्य भिक्षु की मौलिक स्थापनाएँ कौन–कौनसी हैं?

(घ) निक्षेप की चौपाई में आचार्य भिक्षु ने मूर्ति के सिद्धान्त को किस प्रकार स्पष्ट किया है? लिखें।

(ङ) आचार्य भिक्षु के समक्ष संविधान निर्माण का उद्देश्य क्या था?

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दें। 18

(क) तेरापंथ की कुण्डली में अवस्थित नवग्रहों का वर्णन कीजिए।

(ख) सामूहिक मनोबल पर संक्षेप में लेख लिखें।

(ग) आचार्य भिक्षु व अन्य विचारकों ने पुण्य को किस प्रकार व्याख्यायित किया है लिखें।

प्र.4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दीजिए। 30

(क) संघ पुरुष के स्वरूप को स्पष्ट करें।

(ख) संघबद्ध साधना के सूत्रों का विवेचन करें।

(ग) आचार्य तुलसी के युग में कौन–कौन से आयोजन किस प्रकार हुए? विवेचन करें।

भिक्षु वाणी – 30

प्र.5 किन्हीं तीन पद्यों का सप्रसंग भावार्थ करें। 15

(क) राते भूला.....रा भूला।।

(ख) रूंख जिम.....रे कांन।।

(ग) जीभ रा.....खोय चाल्यो।।

(घ) जो साची.....अवसर जोय।।

(ङ) सूतर अर्थ.....आठमो तेह ए।।

प्र.6 किन्हीं दो विषयों पर पद्य लिखें। 6

(क) व्रत (ख) क्षणभंगुरता

(ग) पुरुषार्थ (घ) धन

प्र.7 कोई तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) कोई कहें.....धर्म साख्यात।।

(ख) आहार पाणी.....उठ जावे।।

(ग) हिसारी.....नें छांही।।

(घ) विद्या अरू.....कीधां विना।।

(ङ) समुंदर न.....मांडी झोर।।

(च) जीव ने.....तिण सूं नेह।।